दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

मुख्य परीक्षा

1.क) रक्षा सेवाओं के संदर्भ में, देशभक्ति राष्ट्र की रक्षा करने में अपना जीवन उत्सर्ग करने तक की तत्परता की अपेक्षा करती है। आपके अनुसार, दैनिक असैनिक जीवन में देशभक्ति का क्या तात्पर्य है? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इसको स्पष्ट कीजिए और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

In the context of defence services, 'patriotism' demands readiness to even lay down one's life in protecting the nation. According to you, what does patriotism imply in everyday civil life? Explain with illustrations and justify your answer. (150 words, 10 Marks)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में देशभक्ति स्पष्ट करते हुए सैनिक देश भक्ति का संक्षिप्त परिचय दें
- दूसरे पैराग्राफ में असैनिक जीवन में देश भक्ति को स्पष्ट करें
- संक्षिप्त उदाहरण देते हुए निष्कर्ष दें।

उत्तर. **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-**

देश भक्ति एक व्यापक संकल्पना है जो व्यक्ति की अवस्थिति के अनुसार परिभाषित होती है, परन्तु सामान्य संदर्भ में देश और मातृभूमि के सम्मान का भाव रखना व प्रकट करना तथा सदैव उसकी रक्षा के लिए तत्पर रहना देश भक्ति है।

सैनिक जीवन में देश भक्ति का अभिप्राय अपने राष्ट्र तथा उसकी सीमाओं की रक्षा करते हुए जीवन उत्सर्ग जैसी चरम परिणति भी शामिल है, जबकि असैनिक जीवन में इसे निम्न रूपों में देखा जा सकता है।

- राष्ट्र के सभी नागरिको द्वारा अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करना जैसे एक अध्यापक द्वारा अपने कर्तव्य का सही ढंग से निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण की नींव को मजबूत बनाना तथा एक छात्र का कर्तव्य है कि वह अध्यापक द्वारा दिए गये ज्ञान का अर्जन कर राष्ट्र के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।
- देश के सभी नागरिकों द्वारा समय पर करों का भुगतान करना जिससे देश में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित के आन्तरिक असंतोष को समाप्त किया जा सकें।
- प्रशासन को सभी अंगों द्वारा सत्यनिष्ठा, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक न्याय को सुनिश्चित कर देश में आन्तरिक प्रशासन बनाए रखने में सहयोग करना, साथ ही संविधान की प्रस्तावना में वर्णित भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए नागरिकों के कर्तव्य तथा व्यक्ति गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने जैसे कर्तव्यों के निर्वहन के संदर्भ में देखा जा सकता है।

दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

ख) भारत में भीड़ की हिंसा की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही है। इन घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए किस प्रकार के तरीके अपनाए जा सकते हैं? (150 शब्द, 10 अंक)

The incident of 'mob lynching' are on constant rise. What kinds of measures could be adopted to check these incidents? (150 Words, 10 Marks)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में भीड़ हिंसा क्या है? स्पष्ट करें
- दूसरे पैराग्राफ में कारणों की संक्षिप्त चर्चा करें
- तीसरे पैराग्राफ में नियंत्रित करने के उपाय बताएं
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर. **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है**

जब नागरिक समाज द्वारा किसी व्यक्ति को सामाजिक नैतिक नियमों या प्रचलित कानून के उल्लंघन के दोषी या आरोपी व्यक्ति को सजा दिया जाता है, उसे भीड़ हिंसा कहा जाता है।

वर्तमान समय में ऐसी घटनाओं को देखते हुए आवारा भीड़, हिंसक भीड़ जैसी संज्ञा दिया जा रहा है। जो सामान्यत: कानून प्रवर्तन एजेसियों को संवेदनशील न होने, न्याय मिलने में देरी, प्रशासन में सत्यनिष्ठा के अभाव के कारण प्रशासन में अविश्वास की भावना, वादी का हित सुनिश्चित नहीं होने जैसे प्रमुख कारक जिम्मेदार है।

नियंत्रण के उपाय-

1. भीड़ हिंसा के कारकों की पहचान करना।
2. हिंसा प्रभावित क्षेत्र में राजनीतिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना चाहिए।
3. संबंधित क्षेत्र के प्रशासन को उत्तरदायी ठहराते हुए जवाब देहिता सुनिश्चित करना चाहिए।
4. ऐसी संवेदनशील घटनाओं में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना करना चाहिए।
5. शहरी क्षेत्रों में सी सी टीवी कैमरों का प्रयोग करना चाहिए तथा ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के हिंसा के दुष्परिणामों को अवगत कराना चाहिए।
6. अफवाहों से बचने के लिए सोशल साइट का प्रयोग तथा मीडिया के सहयोग द्वारा जागरूकता बढ़ाना चाहिए।
7. लोगों में सामानुभूति, करुणा, दया, सहानुभूति के विकास को बढ़ावा देना।
8. सत्यनिष्ठा, इमानदारी, तथा सामाजिक सौहार्द को हर स्तर पर बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।
9. सामाजिक सौहार्द के लिए कुशल संप्रेषण का माध्यम चुनना चाहिए इत्यादि।
10. सोशल साइड में ऐसी अफवाहों से संबंधित सामग्री की पहचान कर प्रशासन द्वारा उचित समाधान करना चाहिए।

दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

मुख्य परीक्षा

2.क) ज्ञान के बिना ईमानदारी कमजोर और व्यर्थ है, परंतु ईमानदारी के बिना ज्ञान खतरनाक और भयानक होता है। इस कथन से आप क्या समझते हैं? आधुनिक संदर्भ में उदाहरण लेते हुए अपने अभिमत को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

"Integrity without knowledge is weak and useless, but knowledge without integrity is dangerous and dreadful." What do you understand by this statement? Explain your stand with illustrations, from the modern context. *(150* words, 10 Marks)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में ज्ञान तथा ईमानदारी का संक्षिप्त परिभाषा दें
- दूसरे पैराग्राफ में ईमानदारी के बिना ज्ञान किस प्रकार भयावह है? स्पष्ट करें
- आधुनिक संदर्भ में अपने मत के संदर्भ में उदाहरण देते हुए स्पष्ट करें
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें

उत्तर. **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-**

ज्ञान शब्द 'ज्ञ' धातु से बना है जिसका अर्थ जानना, बोध होना या प्रकाश होना है, जबकि ईमानदारी किसी व्यक्ति के द्वारा निजी हितों को उजागर करना है।

ज्ञान के बिना ईमानदारी प्रशासनिक तथा व्यक्तिगत जीवन में कमजोर या व्यर्थ से तात्पर्य है, स्वयं तथा राष्ट्र की सुरक्षा खतरे में डालना क्योंकि किसी सार्वजनिक पद-पर आसीन व्यक्ति से आर.टी.आई कार्यकर्ता द्वारा विभागीय जानकारी मांगे जाने पर उचित ज्ञान के अभाव में ईमानदारी का निर्वहन करते हुए सूचना देना राष्ट्र तथा स्वयं की सुरक्षा को खतरे में डाला जा सकता है।

जहाँ तक ईमानदारी के बिना ज्ञान की भयावहता और खतरनाक का प्रश्न है तो इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि प्रशासनिक पद पर आसीन व्यक्ति को यदि प्रशासनिक कमियों का ज्ञान होता है और उस में ईमानदारी का अभाव है तो वह उसका दुरूपयोग जनहित को प्रभावित कर सकता है। उपरोक्त कथन को निम्न उदाहरण के द्वारा भी समझा जा सकता है।

वर्तमान विश्व में बढ़ता आंतकवाद का जाल तथा उसकी भयावहता इस बात का प्रमाण है कि अमुख व्यक्ति आतंकवाद के संदर्भ में ईमानदार तो है, परन्तु उसमे आवश्यक ज्ञान का अभाव है, वहीं भारत में नक्सलवाद जैसी समस्या भी उचित ज्ञान के अभाव में देखा जा सकता है। अन्यत्र उदाहरण के रूप में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री के संदर्भ में चारा घोटाला, सत्यम घोटाला, शारदा घोटाला तथा सहारा घोटाला के संदर्भ में समझा जा सकता है। जिनमे ज्ञान तो था, परंतु ईमानदारी का अभाव था।

दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

ख) लोक जीवन में सत्यनिष्ठा से आप क्या अर्थ ग्रहण करते हैं? आधुनिक काल में इसके अनुसार चलने में क्या कठिनाइयां हैं? इन कठिनाइयों पर किस प्रकार विजय प्राप्त कर सकते हैं? (150 शब्द, 10 अंक)

What do you understand by 'probity' in public life? What are the difficulties in practicing it in the present times? How can these difficulties be overcome? *(150* words, 10 Marks)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में लोक जीवन में सत्यनिष्ठा का अर्थ बताएं
- आधुनिक काल में इसके अनुसार चलने में बाधाएं बताएं
- इन बाधाओं पर विजय प्राप्त करने के उपाय बताएं
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें

उत्तर- **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-**

यू.एन.के अनुसार अधिकारिक कर्तव्यों को ईमानदारी पूर्वक निभाना सत्यनिष्ठा है तथा द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार अधिकारिक निर्णय करने में केवल जनहित के द्वारा संचालित होना सत्यनिष्ठ होना है। जबकि नोलन समिति के अनुसार सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कार्यों से अपने आप को दूर रखना सत्यनिष्ठ होना है।

लोक जीवन में उपरोक्त परिभाषा के अनुसार कार्यों के निवर्हन में आधुनिक समय में तमाम दिक्कतों तथा परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जैसे राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा अवांक्षित दबाव तथा नहीं करने की स्थिति में पदमुक्ति, स्थानान्तरण के साथ जान माल की अपूर्ण क्षति जैसे परिणामों का सामना करने के साथ निकट सम्बन्धियों को भी ईर्ष्या का सामना करना पड़ता है।

लोक जीवन में सत्यनिष्ठा से उत्पन्न कठिनाइयों का निम्न प्रकार सामना किया जा सकता है-

- लोक सेवा में सत्यनिष्ठा के प्रयोग में समस्याओं का सामना तथा हितों का टकराव अपरिहार्य है ऐसे में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर यथास्थिति से निपटने के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए।
- असामयिक स्थानान्तरण से बचने के लिए जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर अपना पक्ष मजबूत किया जा सकता है।
- चूंकि लोक जीवन में सत्यनिष्ठा पूर्व शर्त है, अतः इसके निर्वहन में समस्याएँ भी पाई, अतः इसके निर्वहन में समस्याएँ भी वाई प्रोडक्ट के रूप में मौजूद है, जिसका आत्मबल द्वारा समाधान व सामना किया जा सकता है।

दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

मुख्य परीक्षा

3. समझौता न करना सत्यनिष्ठा की एक प्रमुख कसौटी है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)
'Not to make compromise' is a main criteria for 'Probity'. Explain with examples. (150 Words, 10 Marks)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में सबसे पहले सत्यनिष्ठा क्या है? स्पष्ट करें
- दूसरे पैराग्राफ में समझौता स्पष्ट करते हुए सत्यनिष्ठा की प्रमुख कसौटी बताएं
- उदाहरण देते हुए संक्षिप्त निष्कर्ष दे

उत्तर- **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-**

सत्यनिष्ठा व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक दो प्रकार की होती है, जहाँ व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा वह भाव है जिसमें व्यक्ति के स्तर पर विचार और व्यवहार का एकीकरण होता है।

नोलम समिति के अनुसार सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के प्रदर्शन को प्रमाणित करने वाले कार्यों से अपने आप को दूर रखना सत्यनिष्ठा होता है। यू.एन.के अनुसार अधिकारिक कर्तव्यों की ईमानदारी पूर्वक निभाना सत्यनिष्ठा है। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार अधिकारिक निर्णय करने में केवल जनहित के द्वारा संचालित होना सत्यनिष्ठा होना है।

उपरोक्त परिभाषा के अनुसार व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा एक आवश्यक कड़ी है, जिसमें समझौता करने का तात्पर्य अपने कार्यों तथा उत्तरदायित्वों का सही ढंग से निर्वहन न करना। क्योंकि सार्वजनिक पद-पर आसीन कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों से समझौता करता है तो उससे संगठनात्मक हितों को नुकसान पहुँचता है जिसे निम्न उदाहरण के द्वारा समझा जा सकता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अशोक खेमका ने अपने सार्वजनिक/प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निवर्हन करते हुए रॉबर्ट वाड्रा जैसे राजनीतिक पहुँच वाले व्यक्ति को डी एल एफ लैंड डील में गड़बड़ी को उजागर किया था, लोक जीवन में समझौता नहीं करते हुए सत्यनिष्ठा का परिचय दिया। अन्य उदाहरणों में अमिताभ ठाकुर जैसे चर्चित मुद्दों को देखा जा सकता है।

दिनांक-09 जनवरी, समय : 6:30 pm

मुख्य परीक्षा

4. एक जातीय तनाव प्रवण राज्य है, जिसमें जाति आधारित संघर्ष और स्थानीय बाहरी मुद्दे को लेकर सामाजिक संघर्ष होते रहे हैं। एक जनसभा के दौरान कुछ भाषणों और उसके विरोध के तरीकों के कारण लोगों में बहुत बड़े पैमाने पर तनाव व्याप्त है। उस राज्य के कई शहरों में तोड़फोड़ की घटनाएं होना प्रारंभ हो गयी है। एक राजनीतिक दल के नेता ने बंद के आयोजन की घोषणा भी की है। इसके फलस्वरूप एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल और उसके सदस्य उस राज्य की राजधानी में फंस गए हैं। राज्य के एक सिविल सेवा अधिकारी के तौर पर आप इस प्रतिनिधि मंडल को सकुशल अपने देश वापस भेजने के लिए क्या आदेश देंगे? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। (200 शब्द, 15 अंक)

A communally tensed state, where social conflicts have been occurring due to caste based conflict and local outsider issue. Few speeches in a meeting and the kind of its protest has resulted in a large-scale tension among people. A leader of a political party has also announced for a 'band' (Closure). As a result of it, an international delegation and its members are stuck in the capital of that state. As a civil servant of the state, what orders would you give to safely send back the international delegation to its own country. Support your answer with logical arguments. (150 Words, 15 Marks)

मॉडल उत्तर

उत्तर– **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है**

प्रस्तुत समस्या चिन्ताजनक है ऐसी स्थिति में जब कोई अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मण्डल सम्बन्धित राज्य में मौजूद है। प्रस्तुत परिस्थितियों के सभी पहलुओं पर गहराई से विचार करने के उपरान्त तथा एक सिविल सेवा अधिकारी के रूप में अपने अधिकार एवं कर्तव्य को समझते हुए सबसे पहले उस क्षेत्र विशेष की नेट सुविधा को अनिश्चित काल तक बन्द कराउँगा, उसके उपरान्त जनसभा को संबोधित करने वाले व्यक्ति से मिलकर व्यापक जनधन हानि को बेहतर संम्प्रेषण के द्वारा बताते हुए अपनी बात वापस लेने के लिए मनाउँगा।

राजनेता द्वारा बन्द का आयोजन मेरे लिए सहायक होगा, साथ ही राजनेता द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों तथा राष्ट्र की वैश्विक छवि को खराब होने के तथ्यों के आधार पर उनके कार्यकर्ताओं द्वारा शांति बनाए रखने का आग्रह करते हुए किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पुलिस फोर्स प्रबंध करूँगा और चूँकि विदेशी प्रतिनिधि मण्डल राज्य की राजधानी क्षेत्र में है, जहाँ सुरक्षा का उचित प्रबन्ध होता है, फिर भी राजधानी में एयर बेस तक प्रतिनिधि मण्डल के जाने का उचित प्रबन्ध कर समस्या का निदान करूँगा।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष।